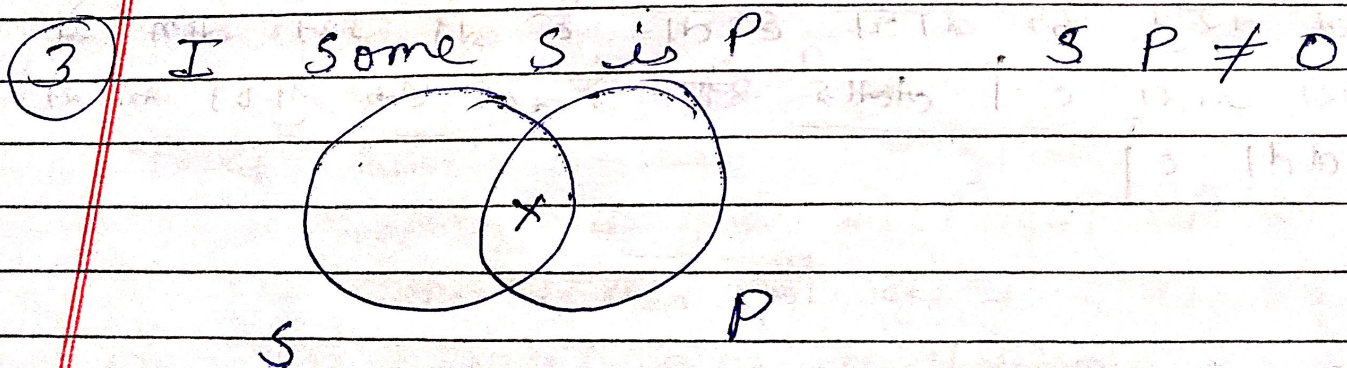
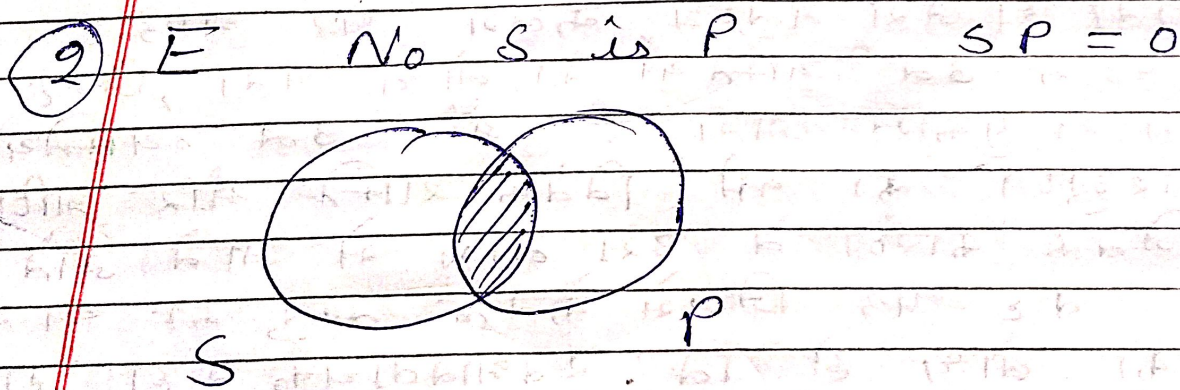
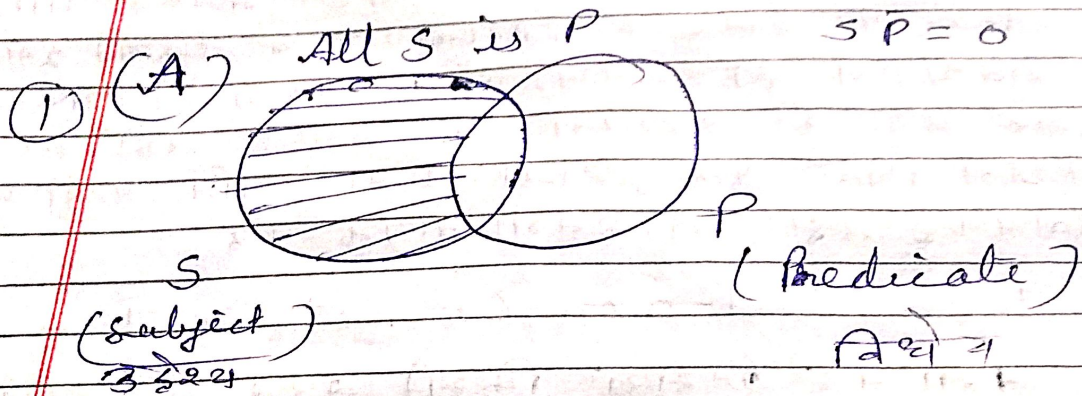


UNIT - III

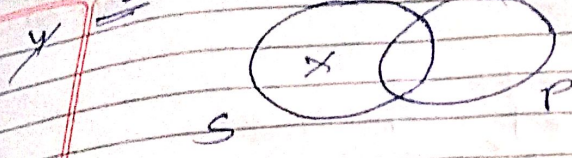
Venn Diagram Technique for testing syllogisms

→ तर्कवाक्यों का चित्रांकन एवं प्रतीकीकरण A, E, I, O



ling

Some P is S



वेन आरेख के प्रयोग के सामान्य तकनीक

(1) सबसे पहले वेन आरेखों के तीन वृत्तों को न्याय के तीन पदों के द्वारा चिह्नित करना चाहिए।

2/ तत्पश्चात्, दोनों आधारवाक्यों के आरेखों को बनाना चाहिए।

3/ यदि प्रदत्त युक्ति के आधारवाक्यों में कोई आधारवाक्य पूर्णव्यापी है तो सर्वप्रथम उसका आरेख बनाना चाहिए।

4/ अंशव्यापी आधारवाक्य के आरेख निर्माण में अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

5/ अंशव्यापी आधारवाक्य में यदि x के स्थान का निश्चिण आधारवाक्यों द्वारा नहीं होता है तब उस स्थिति में x को रेखा पर रेखा जाना चाहिए।

आरेख के निर्माण के बाद उसका अवलोकन करना चाहिए।

6/ आरेख में यह देखना है कि आधारवाक्यों के आरेख में निष्कर्ष का आरेख मिटित है या नहीं।

7/ यदि आधारवाक्यों के आरेख में निष्कर्ष का आरेख मिटित है तब वह प्रदत्त न्याय वैध होगा।

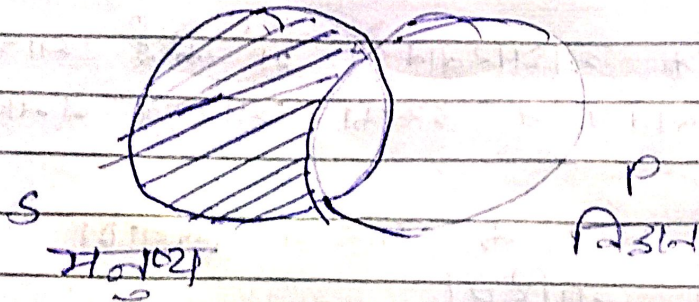
8/ यदि आधारवाक्यों के आरेख में निष्कर्ष का आरेख मिटित नहीं है तब वह प्रदत्त न्याय अवेध होगा।

वेन आरेख द्वारा पूर्वजापी एवं दोषनजापी वर्तनामसो
का नित्रोवन

(I) सभी मनुष्य विद्वान् हैं। A
कुछ मनुष्य कर्मठ हैं। I
कुछ कर्मठ प्राणी विद्वान् हैं। I

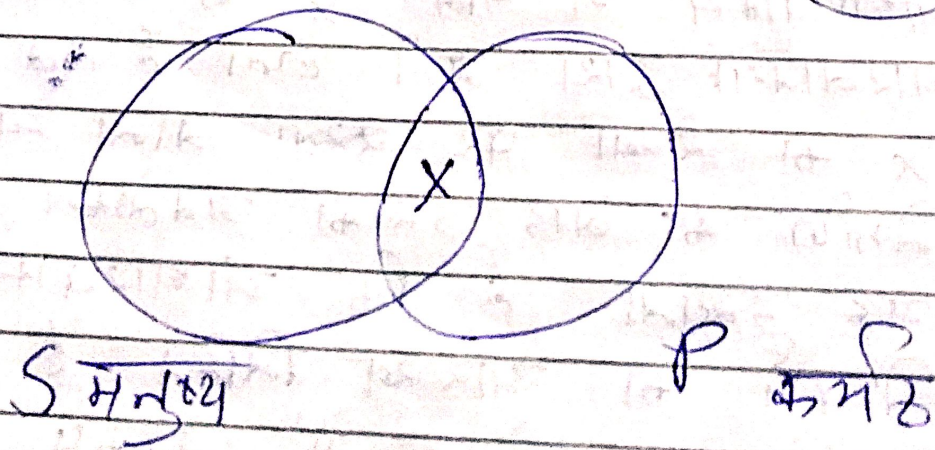
$\left[\begin{array}{l} \text{Middle Term} = \text{मनुष्य} \\ \text{Major Term} = \text{विद्वान्} \\ \text{Minor Term} = \text{कर्मठ} \end{array} \right]$

First Premise सभी मनुष्य विद्वान् हैं। (A)

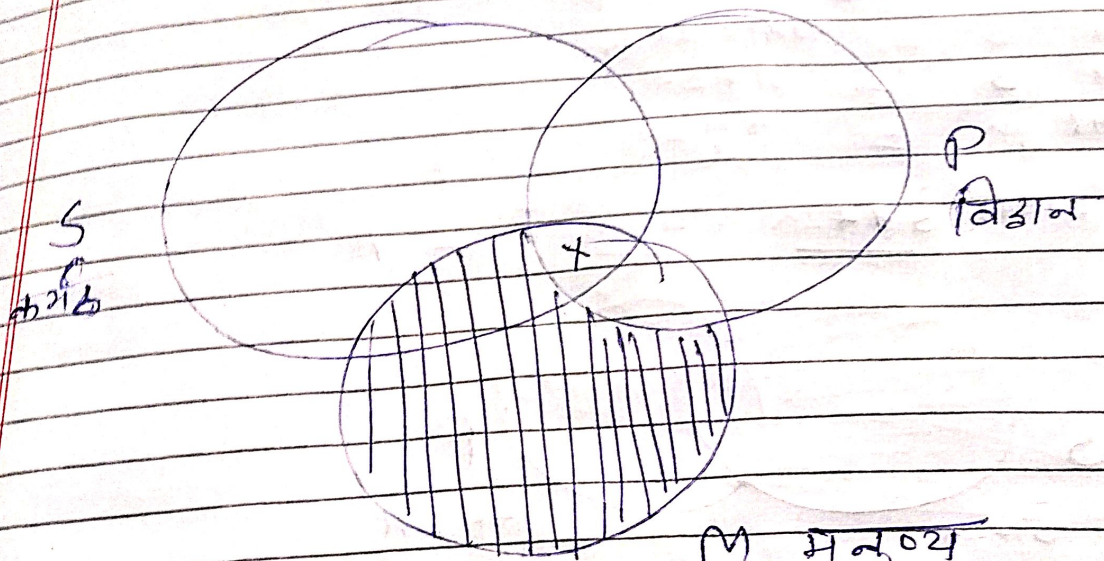


II Premises

कुछ मनुष्य कर्मठ हैं। (I)



Middle term M = मनुष्य (M)
 Major term P = विज्ञान (P)
 Minor term S = कमीठ (S)



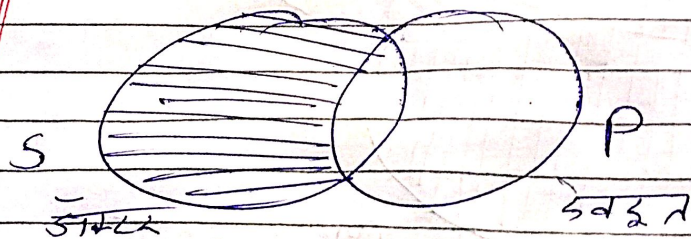
उपर उदाहरण में निष्कर्ष अंशव्यापी Particular
 है - कुछ कमीठ प्राणी विज्ञान है, जिसके चित्रांकन
 में कमीठ तथा विज्ञान के बीच वाले परस्पर
 भाग में 'x' अवश्य रहना चाहिए। और SP
 के परस्पर व्याप्त भाग में 'x' है। व्याय के निष्कर्ष
 के माध्यम से जो ~~निष्कर्ष~~ अभिरुचन किया गया है
 उसका, आरेख उसके आधारवाक्यों के आरेख
 से निर्मित हुआ है इसलिए, यह व्यायवाक्य

Valid वैध है।

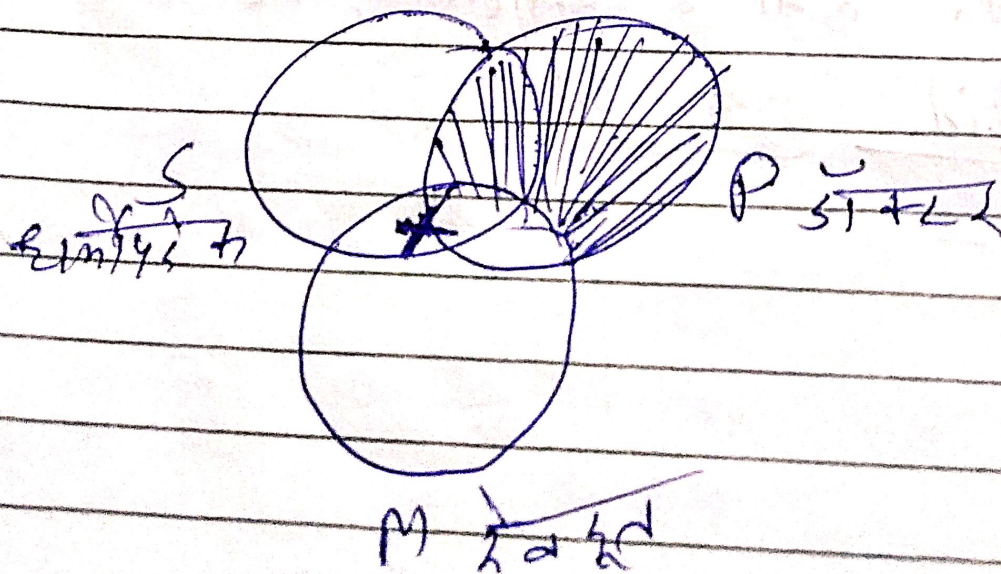
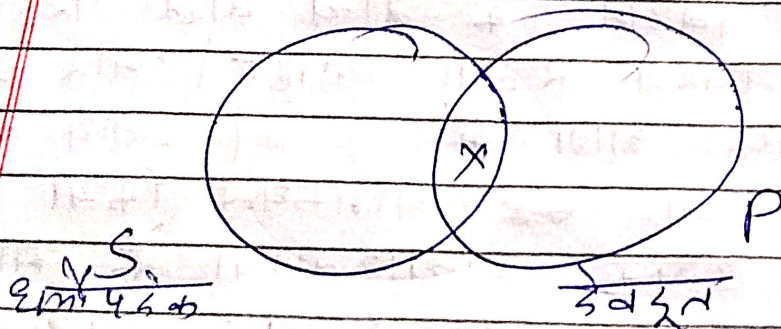
- (2) सभी डॉक्टर देवदूत हैं। — A
 कुछ धर्मोपदेशक देवदूत हैं। — I
 कुछ धर्मोपदेशक डॉक्टर हैं। — I

उद्देश्य S = धर्मोपदेशक
 विषय P = डॉक्टर
 माध्यम M = देवदूत

सभी डॉक्टर देवदूत हैं — A



कुछ धर्मोपदेशक देवदूत हैं। — I

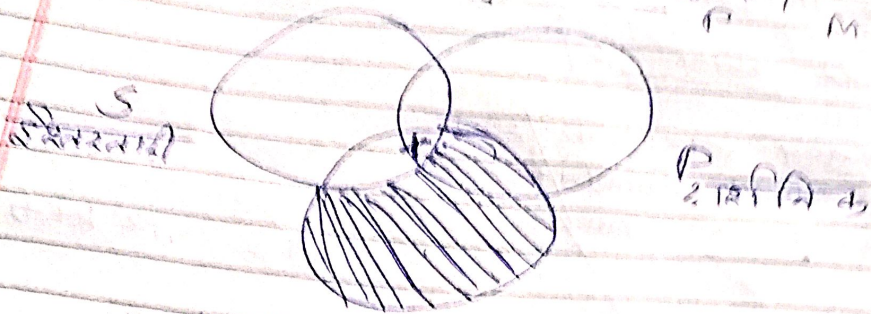


अवैध
 Invalid

निष्कर्ष (कुछ धर्मोपदेशक डॉक्टर हैं) के आरेख के लिए x को ऊपर वाले दो वृत्तों के परम्पर व्यापक भाग में होना चाहिए। इनमें से पहला रंग हुआ है जिसमें x निश्चित रूप से नहीं है। प्रदत्त युक्ति सर्वेक्ष है।

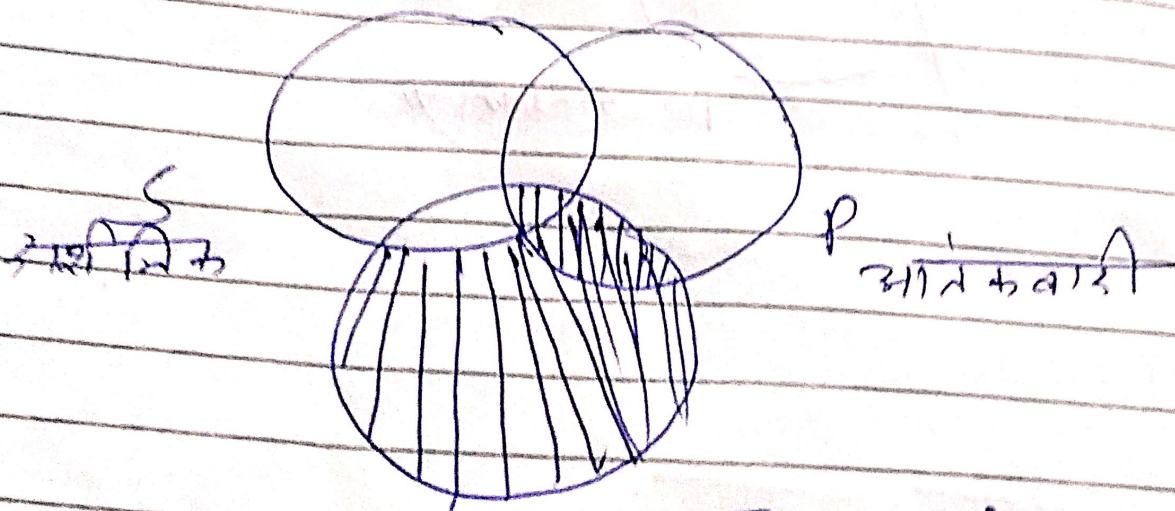
Con. N. 1

(3) सभी मनुष्य वैश्ववादी हैं। — A
 कुछ मनुष्य दाशिनिक हैं। — I
 ∴ कुछ वैश्ववादी दाशिनिक हैं। — I
 M = मनुष्य



Valid M मनुष्य

(4) कोई आत्मकवादी इशालु नहीं है। — E
 सभी इशालु व्यक्ति दाशिनिक हैं। — I
 ∴ कोई दाशिनिक आत्मकवादी नहीं है। — E



M इशालु

Invalid